संक्षिप्त परिचय

नाम: डॉ. रजनीकान्त शांतिलाल शाह

जन्म तारीख: 17 जुलाई 1948.

जन्मस्थल: गाँव-केशलु ,तहसील:आमोद, जिला:भरूच.गुजरात. भारत .

पता : 2-'शील-प्रिय,विमलनगर सोसायटी, नवाबजार, करजण. जिला:वडोदरा. गुजरात.

पीनकोड:391240.भारत.

मोबाईल:9924567512.

E.mail Id: navkar@1947gmail.com

शिक्षा:

बी.ए.: दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी,सूरत, वर्ष:1969.

मुख्य विषय :हिन्दी, गौण विषय अँग्रेजी।

एम.ए.: धी महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी,वडोदरा.वर्ष :1971.

विषय :मुख्य विषय: हिन्दी, गौण विषय :गुजराती।

बी.एड: सरदार पटेल यूनिवर्सिटी.वल्लभ विद्यानगर। गुजरात।

विषय :अँग्रेजी तथा पाठशाला व्यवस्थापन ।

पी-एच.डी:गुजरात यूनिवर्सिटी,अहमदाबाद.1983.

विषय :'सातवें दशक के हिन्दी उपन्यासों में समाजोन्मुख जीवनदृष्टि।'

शोध निदेशक : डॉ.रमाकांत शर्मा।

कार्यक्षेत्र :अध्यापन -

मैंने श्रीमती एच. सी.पटेल आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज ,मियागाम-करजण(गुजरात यूनिवर्सिटी से संबंधन प्राप्त) में हिन्दी के अध्यापक के रूप में 39 वर्ष अध्यापन कार्य करके ओक्टोबर 2010 में एसोसिएट प्रोफ़ेसर तथा अनुस्नातक विभागाध्यक्ष के रूप में सेवा निवृत्त हुआ हूँ। कॉलेज में एन सी सी ऑफिसर के पद पर इक्कीस वर्ष तक कार्य किया है और मेजर के पद से अवकाश प्राप्त किया है।

अनुस्नातक शिक्षक : मैंने अपने ही विभाग में अनु स्नातक शिक्षक के रूप में 28 वर्ष तक अध्यापन किया है। काव्यशास्त्र ,पत्रकारिता ,अनुवाद ,प्रयोजनमूलक हिन्दी आदि मेरी विशेष रुचि के पाठ्यक्रम रहे हैं और उनका अध्ययन-अद्यापन करता था।

पी-एच.डी. गाईड: मैंने पी-एच.डी के निदेशक के रूप में सात छात्र-छात्राओं का निदेशन किया है।

मैंने गुजरात यूनिवर्सिटी,धी एम.एस.यूनिवर्सिटी-वडोदरा,वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी सूरत, हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात यूनिवर्सिटी , सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी , श्यामजी कृष्ण वर्मा युनिवर्सिटी कच्छ आदि विश्व-विद्यालयों में विविध परीक्षाओं में सक्रिय सहयोग दिया है।

मैं गुजरात राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी तथा हिन्दी साहित्य परिषद , अहमदाबाद का सक्रिय सदस्य हूं।

अन्य प्रवृत्तियां: कॉलेज में अध्यापन के उपरांत गुजरात यूनिवर्सिटी के हिन्दी विषय के नए अभ्यासक्रम कॉ केंद्र में रखकर समग्र गुजरात राज्य के यूनिवर्सिटी तथा कॉलेज के अध्यापकों के लिए कार्यशाला,नाटक एवं अभिनय पर विद्यार्थी तथा अध्यापकों के लिए दो कार्यशालाएं, अनुवाद की कार्यशाला इत्यादि के कार्यक्रम संयोजक तथा कार्यक्रम संचालक के रूप में यु. जी.सी. के अनुदान से आयोजित किए हैं। उपरांत गुजरात यूनिवर्सिटी ग्राम्य कॉलेज आचार्य एसोसिएशन के अधिवेशन में सक्रिय योगदान दिया है। इस कॉलेज के यूजीसी प्रेरित 'नेक' के मूल्यांकन कार्य में संयोजक के रूप में कार्यरत रहा हूँ।

सम्पादन कार्य: मैं कॉलेज के भीतपत्र –'अंकुर' तथा कॉलेज की वार्षिक पत्रिका 'दीप' ,मेरे समाज के वार्षिक पत्र -'ज्ञानज्योत,ज्ञाति की डिरेक्टरी उपरांत करजण तालुका खादी ग्रामोद्योग मण्डल की वार्षिक पत्रिका 'खादी',गुजरात राज्य ग्रामविस्तार कॉलेज आचार्य मण्डल के अधिवेशन की स्मृति में स्मरणिका आदि का कईं वर्ष तक संपादक कार्य करता रहा था।

जैन संत गणि राजेंद्रविजयजी महाराज साहब द्वारा स्थापित 'सुखी परिवार फाउंडेशन ,'दिल्ली के निमंत्रण का स्वीकार करते हुए गुजरात के पूर्वीय सीमांत आदिवासी क्षेत्र कवांट में स्थापित एकलव्य आदर्श निवासी स्कूल जो कि वनबंधु कल्याण योजना ,गुजरात राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त और अनुदानित अँग्रेज़ी माध्यम स्कूल को अपने अवकाश काल में आचार्य के रूप में एक वर्ष तक सेवाएं दी।

प्रकाशन : 1. शोध ग्रंथ : 'सातवें दशक के हिन्दी उपन्यासों में समाजोन्मुख जीवनदृष्टि।'
यह ग्रंथ यूजीसी के प्रकाशन अनुदान से प्रकाशित हुआ है।

2. 'व्यावहारिक हिन्दी' प्रकाशित पुस्तक।

3. 'रचनालय' –मेरे विद्या गुरु स्वर्गीय धीरुभाई मोदी की चालीस गुजराती कविताओं का काव्यनुवाद गुजरात साहित्य अकादमी ,गांधीनगर ,गुजरात के प्रकाशन अनुदान से हिन्दी में प्रकाशित।

४.' गुरुमा' जैन संत परम पूज्य पंन्यासश्री चन्द्रशेखर विजयजी महाराज साहब के स्मृतिग्रंथ का हिन्दी अनुवाद।

साहित्यिक रुचि की प्रवृत्तियां: मेरी स्वलिखित कविताएं, शोधपत्र, गद्यानुवाद तथा पद्यानुवाद विविध पत्र-पत्रिकाओं जैसे नूतन भाषा सेतु ,(अहमदवाद),राष्ट्रवीणा(अहमदवाद),अमृतसर से प्रकाशित शोध पत्रिका 'कश्फ़',साहित्यवीथिका–वल्लभविद्यानगर-गुजरात,संकल्य(हैदराबाद),अनुव्रत(जयपुर),वितस्ता(कश्मीर यूनिवर्सिटी,श्रीनगर),नवयुगनिर्माता(लुधियाना),विजयानन्द(लुधियाना),उत्पल(जयपुर) तथा 'साहित्यसंसार' (नडीयाद),तादर्थ्य (अहमदाबाद) आदि अनेक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं।

विशेष : सिनसिनाटी कनाडा से प्रकाशित वेब पत्रिका 'साहित्यकुंज' में मेरे काव्यनुवाद तथा एक कहानी 'साथ' का अनुवाद प्रकाशित हुआ है।

अनुवाद : मेरी विशेष रुचि अनुवाद कर्म में रही है। मैंने गुजराती के अनेक कवि जैसे स्वर्गीय उमाशंकर जोशी ,सुंदरम,जयंत पाठक ,धीरुभाई मोदी ,पद्मश्री राजेंद्र शाह तथा हिन्दी के साहित्य कार मोहन

राकेश,अटलविहारी वाजपेई,पांडेय बेचन शर्मा उग्र ,डॉ.जयप्रकाश मानस,इस्मत चुगताई,प्रसून जोशी आदि की पसंदीदा कविताओं तथा गुजराती कहानियों का अनुवाद किया है। गुजराती कहानी खौफ (मीनल दवे) का हिन्दी में अनुवाद किया और वे प्रकाशित भी हुए हैं।

मैंने गुजरात के चिंतन पुरुष पद्मश्री डॉ. गुणवंत शाह ,प्रसिद्ध पत्रकार श्री कांति भट्ट , प्रसिद्ध रामकथाकार पूज्य मोरारी बापू ,डॉ. कुमारपाल देसाई तथा अनेक जैन संतों के साहित्य का दोनों भाषाओं में अनुवाद किया है।

इन दिनों में जैन संत आचार्य विजयवल्लभसूरिजी , पन्यास चन्द्रशेखर विजयजी ,गणी राजेंद्रविजय आदि के साहित्य का अनुवाद दोनों ही भाषाओं में कर रहा हूँ ।

1. पूज्य पन्यास चन्द्रशेखर विजयजी महाराज साहब की अन्य पुस्तक 'टचुकड़ी कथाओ भाग -1 और 3 का हिन्दी में अनुवाद कर दिया है ।
2. जैन संत आचार्य विजयवल्लभसूरिजी के जीवन पर आधारित एक ग्रंथ हिन्दी में मैंने लिखकर संबन्धित संस्था को सुपुर्द कर दिया है।

३. 'अक्रम विज्ञान' के प्रणेता संत दादा भगवान की पुस्तक Dialogues with Dadaji on life and Living' का अंग्रेजी से गुजराती में अनुवाद कर रहा हूँ।

४. जैन ग्रंथ 'भक्तामर स्तोत्र का गुजराती से हिन्दी में अनुवाद कर रहा हूँ।

विशेष : श्रीनाथद्वार,राजस्थान की हिन्दी सेवी संस्था 'साहित्य मण्डल' ने गत सितंबर 2016 में मुझे 'हिन्दी भाषा भूषण के सम्मान से सम्मानित किया है।

धन्यवाद ।

रजनीकान्त एस. शाह